खाटू में जबसे पाँव पड़े हैं | By Mukesh Bagda

खाटू में जबसे पाँव पड़े हैं
मेरे घर के आगे श्याम खड़े हैं

दुखडो को देखे ज़माना है बीता
वरना बताओ कैसे मैं जीता
जो उलझे थे धागे सुलझने लगे हैं
मेरे घर के आगे श्याम खड़े हैं

मतलब के साथी तुम्हे हो मुबारक
तुम्हारी बदौलत मैं आया यहाँ तक
के खाटू से जबसे रिश्ते जुड़े हैं
मेरे घर के आगे श्याम खड़े हैं

मुसीबत जो आये दूर से देखे
दिल को मसोसे हाथों को मसले
पवन के तो घर पे पहरे कड़े हैं
मेरे घर के आगे श्याम खड़े हैं

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%96%e0%a4%be%e0%a4%9f%e0%a5%82-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%9c%e0%a4%ac%e0%a4%b8%e0%a5%87-%e0%a4%aa%e0%a4%be%e0%a4%81%e0%a4%b5-%e0%a4%aa%e0%a4%a1%e0%a4%bc%e0%a5%87-%e0%a4%b9%e0%a5%88/